स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2022

एम.एस.के.-003 : दर्शन : न्याय, वेदान्त, सांख्य और मीमांसा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

***नोट : सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है । खण्डों में निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3×10=30*

(क) आस्तिक दर्शनों का परिचय दीजिए ।

अथवा

सांख्य-योग दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का निरूपण कीजिए ।

(ख) छः सन्निकर्षों (षड्विधसन्निकर्षः) का वर्णन कीजिए ।

अथवा

अज्ञान की शक्तियों तथा स्वरूप की व्याख्या कीजिए ।

(ग) सांख्य दर्शन के अनुसार सूक्ष्म शरीर का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

वेद क्या हैं ? वेद अपौरूषेय से आप क्या समझते हैं ? व्याख्या कीजिए ।

खण्ड ख

2. निम्नलिखित की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : *4×10=40*

(क) अभावश्चतुर्विधः–प्रागभावः प्रध्वंसाभावोऽत्यन्त आभावोऽन्योन्याभावश्चेति ।

अथवा

सव्यभिचार विरुद्धसन्प्रतिपक्षासिद्धबाधिताः पञ्च् हेत्वाभासाः ।

(ख) असदकरणादुपादानग्रहणात् सर्वसम्भवाभावात् ।
शक्तस्य शक्यकरणात् कारणभावाच्च सत्कार्यम् ।।

अथवा

पुरुषस्य दशनार्थ कैवल्यार्थम् तता प्रधानस्य ।
पङ्ग्वन्धवदुभयोरपि संयोगः तस्कृतः सर्गः ।।

(ग) साधनानि नित्यानित्यवस्तुविवेकेहामुत्रार्थफलभोग विरागशमादिषट्कसम्पत्तिमुमुक्षुत्वानि ।

अथवा

सूक्ष्म शरीराणि सप्तदशावयवानि लिङ्गशरीराणि । अवयवास्तु ज्ञानेन्द्रियपञ्चकं बुद्धिमनस कर्मेन्द्रियपञ्चकं वायुपञ्चकं चेति ।

(घ) भवितुर्भवनानुकूलो भावयितुर्वयापारविशेषः भावना ।

अथवा

नानासाधनसाध्यक्रियायामेकसाधनप्राप्तावप्राप्त अस्यापरसाधनस्य प्रापको विधिर्नियमविधिः ।

खण्ड ग

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *5×6=30*

(i) भारतीय दर्शन

(ii) अनुमान प्रमाण

(iii) नामधेय अभिप्राय व निमित्त

(iv) त्रिगुण स्वरूप

(v) पञ्चीकरण सिद्धान्त

(vi) अनुबन्ध चतुष्ट्य

(vii) धर्म लक्षण व स्वरूप